DP I (H) IInd Paper

Dr Punam Kumari
Dept of Pol. Sc.
S.N.S.R.K.S. college
Saharsa

Monarchy in England
(इंगलैंड में राजतंत्र)

राजतंत्र का अंग्रेजी रूपान्तर मोनार्की दो शब्दों के योग 'मोनोस' और 'आर्की' से बना है जिनका अर्थ क्रमशः 'एक' और 'शासन' है। अतः राजतंत्र का अर्थ उस शासन से है जिसमें राज्य की सर्वोच्च सत्ता एक व्यक्ति के हाथ में रहती है। गेटेल के अनुसार "ऐसी सरकार जिसमें सर्वोपरि और अन्तिम सत्ता एक ही व्यक्ति के हाथ में हो तो वह राजतंत्र ही होगी, चाहे उस पद की प्राप्ति, अपहरण, निर्वाचन या वंशानुक्रम उत्तराधिकार के द्वारा हुई हो।"

आधुनिक युग में जहाँ विश्व के हर कोने में राजतंत्र का सूर्य डूबता नजर आ रहा है, वहाँ ब्रिटेनवासी "महारानी चिरंजीवी हो" के गीत गाते नजर आ रहे हैं। प्रजातंत्र के युग में प्रगतिशील अँगरेज जाति एक पुराना, अप्रगतिशील तथा निरुपयोगी संस्था का भक्त है। लोगों में ~~उसके~~ उसके प्रति आस्था इतनी बढ़ गयी है जैसी सतरहवी शताब्दी में राजा के दैवी अधिकारों के प्रति थी।

ब्रिटेन में राजतंत्र का औचित्य क्या है, इसके अनेक कारण है।

① राजतंत्र के पक्ष में जनमत — सम्राट का व्यक्तित्व राजतंत्र के पक्ष में है। महारानी विक्टोरिया का शासन काल सुदीर्घ और एकनिष्ठ था। एडवर्ड सप्तम के हँसमुख प्रकृति तथा फ्रेंचों के प्रति उनकी अनुरक्ति तथा जर्मनी के प्रति उनकी विरक्ति ने राजतंत्र को प्रतिष्ठा बढाने में बहुत योगदान दिया। जॉर्ज पंचम के प्रति राष्ट्र की निष्ठा में कुछ गहरे मनोवैज्ञानिक कारण थे। वर्तमान साम्राज्ञी एलिजाबेथ की सुन्दरता एवं उनके सद्गुणों ने ब्रिटिश जनमत को मोह लिया है।

बैजहॉट के अनुसार समाज में दो वर्ग के लोग होते है। दोनों वर्गों की सन्तुष्टि के लिए

संविधान में दो प्रकार के अंगों का होना आवश्यक है. प्रतिष्ठित भाग तथा कार्यशील भाग। "संविधान के प्रतिष्ठित भाग के रूप में सम्राज्ञी विक्टोरिया की उपयोगिता अपरिमित है। उसके बिना इंग्लैंड में सरकार असफल होकर विसर्जित हो जायगी।"

(2) सम्राट का व्यक्तिगत अधिकार :- सम्राट विदेशी राजदूतों का स्वागत करता है, संसद का उद्घाटन भाषण पढ़ता है। लॉर्ड चांसलर, सेक्रेटरी ऑफ स्टेट आदि की नियुक्ति करता है, यद्यपि ये कार्य सिर्फ औपचारिक है क्योंकि अप्रत्यक्ष रूप से इन कार्यों में मन्त्रियों का हाथ रहता है। इसके अलावा प्रधानमंत्री की नियुक्ति करना, मंत्रियों को अपदस्थ करना, तथा संसद को भंग करना भी सम्राट के ही कार्य है।

संरक्षण तथा उपाधि वितरण के सम्बन्ध में सम्राट प्रधानमंत्री की इच्छा से कार्य करता है। इस प्रकार सम्राट व्यक्तिगत रूप से विभिन्न प्रकार के कार्य करता है।

(3) सम्राट शासन का आलोचक, परामर्शदाता तथा मित्र है :-

सम्राट को शासन के सम्बन्ध में तीन महत्वपूर्ण राजनीतिक अधिकार प्राप्त हैं - (i) परामर्श देने का अधिकार, (ii) प्रोत्साहन देने का अधिकार (iii) चेतावनी देने का अधिकार बेजहॉट के अनुसार इसके अतिरिक्त एक बुद्धिमान तथा ईमानदार सम्राट को किसी अन्य अधिकार की आवश्यकता नहीं है।

(4) सम्राट मध्यस्थ के रूप में :- सरकार के अन्तर्गत विरोधी तत्वों के बीच सम्राट एक मध्यस्थ के रूप में महत्वपूर्ण कार्य करता है। उसकी मध्यस्थता का सभी आदर करते हैं। घरेलू क्षेत्र के अलावा वैदेशिक क्षेत्र में भी सम्राट ~~मध्यस्थ~~ मध्यस्थ का काम करता है।

(5) अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में सम्राट का महत्व:- अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में ब्रिटिश सम्राट का महत्व है। सिर्फ साम्राज्य को बनाने में ही नहीं, बल्कि उसके स्थायित्व को बनाये रखने में भी सम्राट योग देता है। चर्चिल के शब्दों में " सम्राट एक दुर्बोध्य तथा जादूभरी कड़ी है जिसने हमारे ढीले बँधे हुए, किन्तु दृढ़ता से जुड़े हुए राष्ट्रमंडलीय देशों, राज्यों तथा जातियों को मिलाये हुए रखा है।"

(6) सम्राट ब्रिटिश जाति के प्रधान के रूप में:- राजतन्त्र देशभक्ति के संचार का एक उत्तम साधन भी है। सम्राट राष्ट्रीय एकता का साकार प्रतीक है। इंगलैंड का राष्ट्रीयगीत है, " God save the King"

(7) सम्राट का सामाजिक व्यक्तित्व:- ब्रिटिश सम्राट सिर्फ राजनीतिक ही नहीं सामाजिक ढाँचे का महत्वपूर्ण अंग है। वह इंगलैंड का सामाजिक तथा मनोरंजन क्षेत्र का नेता है। चूँकि ब्रिटेन में सामाजिक प्रतिष्ठा का आधार वंश तथा कुल है इसलिए राजवंश के आचरण का प्रभाव सामान्य जनता पर पड़ता है।

(8) सम्राट के अविच्छिन्नता तथा स्थायित्व के प्रतीक रूप में:- ~~ब्रिटिश~~ ब्रिटिश जनता परम्परा का प्रेमी है, यह राष्ट्रीय जीवन के निरन्तर विकास के पक्ष में तथा क्रान्तिकारी परिवर्तनों के विरुद्ध है। एक अटूट तथा अनवरत धारा के रूप में ब्रिटेन का विकास होता गया है। जिससे राजतन्त्र का ब्रिटिश जनता पर स्थायित्व के सम्बन्ध में मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ा है और वहाँ की जनता निश्चिंतता अनुभव करती है।

(9) सम्राट सन्तुलन के रूप में:- राजतंत्र का एक व्यावहारिक महत्व यह है कि वह सन्तुलनकर्ता है। ब्रिटेन में सन्तुलन का यन्त्र सम्राट है।

(10) आर्थिक औचित्य :- राजतंत्र का एक आर्थिक औचित्य भी है। बार्कर के अनुसार " राजतंत्र पर जब राजनीतिक भावना तथा विचार के रूप में लौट आता है, जो समाज को दृढ़ बनाता है।"

(11) सम्राट तथा संसदीय प्रणाली :- संसदीय शासन प्रणाली में सम्राट का स्थान बहुत ही उपयोगी तथा महत्वपूर्ण है। सम्राट का किसी दल विशेष से कोई सम्बन्ध नहीं है। वह सभी का सम्राट है।

(12) क्या निर्वाचित राष्ट्रपति सम्राट को स्थानान्तरित कर सकता है :-

यहाँ यह प्रश्न उठता है कि सम्राट के स्थान पर जनता द्वारा निर्वाचित राष्ट्रपति राष्ट्र का प्रधान क्यों नहीं हो सकता है। इसका पहला कारण है कि राष्ट्रपति को उपनिवेशों तथा राष्ट्रमंडलीय देशों की राजभक्ति न मिलेगी, जो सम्राट के व्यवहार के चलते मिलता है। दूसरा सीमित कार्य काल के चलते राष्ट्रपति को पूर्ण राजनीतिक ज्ञान नहीं हो पाता है। इसके अलावा वह एक दलगत व्यक्ति होगा। जो राज्य को उज्ज्वल प्रकाश नहीं दे सकेगा।

निष्कर्ष — उपर्युक्त विश्लेषण से इंग्लैंड में राजतंत्र की उपयोगिता, लोकप्रियता तथा शासन में प्रमुखता स्पष्ट हो जाती है। लॉवेल ने राजपद की उपयोगिता के बारे में ठीक ही कहा है कि " यदि राजा राज्य के पोत की प्रेरक शक्ति नहीं है, तो भी वह उस पोत का मस्तूल है जिस पर पाल लटका हुआ है और इस प्रकार वह उस पोत का न केवल लाभदायक अपितु अत्यन्त आवश्यक भाग है।

— x —